ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–46
दिनांक– शुक्रवार, 14 जून, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.2 एवं 27.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.7 एवं दोपहर में 39.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(15–19 जून, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 15–19 जून, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अनुकूल मौसमीय स्थिति के प्रभाव से पूर्वानुमानित अवधि में अच्छी वर्षा की सम्भावना है। अगले 3–4 दिनों में मानसून के आगमन के साथ–साथ उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। 18–19 जून को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का भी अनुमान है। इसी दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवा चल सकती है।
- अगले दो दिनों में तापमान के गिरावट के कारण लू की स्थिति समाप्त हो सकती है। इस अवधि में अधिकतम तापमान अगले १–२ दिनों के बाद लुढ़ककर 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 20 से 25 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- मानसून के आगमन तथा अच्छी वर्षा की सम्भावना को देखते हुए, धान का बीज नर्सरी में प्राथमिकता से गिरावें। मध्यम अवधि के लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। 10 से 12 दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम आदि किस्में 10 जून तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले 1.5 ग्राम बविस्टीन प्रति कि0ग्रा0 बीज की दर से उपचारित करें।
- खरीफ मक्का की अनुशंसित किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 की बुआई करें। बीज दर 20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। पिछात गरमा मक्का में कीट–व्याधि की निगरानी करें।
- गन्ना फसल में अभी गलित शिखा रोग के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग 2.0 से 22.5 प्रतिशत तक एवं उग्र अवस्था में 80 प्रतिशत तक उपज एवं 11.80 से 65.0 प्रतिशत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों का काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम 24–28 डिग्री सेल्सियस, नमी 75–85 प्रतिशत एवं 700–1000 मि0मी0 वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि विन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बन्डाजीन (फफूँदनाशी) का 0.1 प्रतिशत दवा कों 1 लीटर पानी में घोलकर 15 दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40: छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- गरमा सब्जियों की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे–भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
- खरीफ चारा फसलें मल्टीकट मीठा ज्वार, एम0 पी0 चरी, कोहवा एवं मक्का (अफ्रीकन टौल) लगाने का सही समय है। इन चारा फसलों के साथ दलहनी चारा जैसे मेथ, लोबिया या हाईब्रीड मेथ भी लगायें। बहुवर्षीय चारा फसलें हाईब्रीड नेपियर, गिनिया घास, अंजन घास लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 27.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)